वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी -- Revised

सेमेस्टर- I

(2017-2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य – कबीर, जायसी : Core Course-01

पाठ्यपुस्तक :

1. कबीर-वाणी पीयूष - संपा.डॉ. जयदेव सिंह (प्रकाशक-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
2. जायसी- पद्मावत - संपा.डॉ.माता प्रसाद गुप्त (नागमती विरह तथा सिहल द्वीप खण्ड) (साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई-1. कबीर- वाणी पीयूष :

कबीर का जीवन परिचय, कबीर काव्य का सामाजिक और क्रांतिकारी पक्षः समग्र प्रयोजन, कबीर का समन्वयवादी दृष्टिकाण, कबीर-काव्य के विषय, कबीर-काव्य का कलात्मक पक्ष, कबीर-काव्य के सैद्धांतिक और दार्शनिक आधार ।

ईकाई-2. जायसी- पद्मावत :

'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना, 'पद्मावत': प्रबंधात्मकता, प्रेमाभिव्यंजना, रहस्यवाद, अन्योक्ति अथवा समासोक्ति और दार्शनिकता , 'पद्मावत' में विरह-वर्णन |

ईकाई-3.

भक्तिकालः हिंदी साहित्य का सुवर्ण युग, कबीर का रहस्यवाद और प्रेमानुभूति, निर्गुण भक्ति-धारा की विशेषताएँ।

ईकाई-4.

हिंदी सूफी काव्य परंपरा , हिंदी सूफी काव्य परंपरा में जायसी का स्थान। 'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण और काव्य-सौष्ठव।

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. कबीर-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन)
2. कबीर-संपा.विजयेन्द्र स्नातक
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
5. महाकवि जायसी और उनका काव्य-डॉ.इकबाल अहमद
6. जायसी-एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. कबीरः एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. कबीर के आलोचक-डॉ.धर्मवीर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
9. हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
11. जायसी ग्रंथावली-संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
12. कबीरदासः विविध आयाम-संपा. प्रभाकर श्रोत्रिय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
13. पद्मावत का अनुशीलन-इन्द्रचन्द्र नारंग (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन : Core Course-02

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1.

रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार -सिद्धांत-मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

ईकाई-2.

रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।
व्यावहारिक समीक्षा -किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

ईकाई-3.

ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

ईकाई-4.

औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।
हिंदी कवि -आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चितन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. पठित इकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
2. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
4. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
5. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
6. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
7. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
10. काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – भाग : 1 Core Course-03

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1. कामकाजी हिंदी :
हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा,संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य- प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

ईकाई-2. हिंदी कंप्यूटिंग एवम् पत्रकारिता-1:
कंप्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवम् इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार।

ईकाई-3. हिंदी कंप्यूटिंग एवम् पत्रकारिता-2 :
इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।
हिंदी पत्रकारिताःउद्भव और विकास ।
प्रमुख प्रेस कानून एवम् आचार संहिता।

ईकाई-4. समाचार-लेखन :
समाचार-लेखन-कला, संपादन के आधारभूत तत्व , व्यावहारिक प्रूफ शोधन ।
शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवम् शीर्षक-संपादन, संपादकीय-लेखन।
पृष्ठ-सज्जा , साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवम् प्रेस-प्रबंधन।

अंक विभाजन-
प्रश्न 1. पठित इकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
2. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
7. कंप्यूटर और हिंदी-डॉ.हरिमोहन
8. कंप्यूटर-डॉ.सी.एल.गर्ग
9. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
11. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
12. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
13. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
14. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

==

प्रश्नपत्र - 4. A. आधुनिक हिंदी काव्य : कामायनी, साकेत : Core Course-04

पाठ्य पुस्तक :

1. कामायनी-जयशंकर प्रसाद (संदर्भ के लिए लज्जा सर्ग)
2. साकेत-मैथिलीशरण गुप्त (साहित्य-सदन, चिरगाँव, झाँसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाइ- 1. कामायनी-जयशंकर प्रसाद :

प्रसाद की काव्य-यात्रा के विभिन्न चरण, 'कामायनी' में इतिहास और कल्पना, 'कामायनी' का महाकाव्यत्व, 'कामायनी'- एक रूपक काव्य, 'कामायनी' की पात्र-सृष्टि, 'कामायनी' में अभिव्यक्त दार्शनिकता, 'कामायनी': भाव पक्ष और कला पक्ष।

ईकाइ-2. साकेत-मैथिलीशरण गुप्त :

राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरण गुप्त, 'साकेत': सांस्कृतिक आधार, युगीन आदर्श, अंतर्वस्तु एवम् वैष्णव भक्ति-भावना, 'साकेत' की प्रबंधात्मकता, उर्मिला, राम और कैकेयी के चरित्र। नवम् सर्ग की कथा-योजना और काव्य-वैभव।

ईकाइ-3.

द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ , द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि।

ईकाई-4.

छायावादी काव्यः शब्द,परिभाषाएँ एवम् विशेषताएँ, छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. जयशंकर प्रसाद-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. मैथिलीशरण गुप्त- संपादक-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. मैथिलीशरण गुप्तः एक मूल्यांकन-राजीव सक्सेना,हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
4. मैथिलीशरण गुप्तःनंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. कामायनीः एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. कामायनी-लोचन (प्रथम और द्वितीय खण्ड) डॉ.उदयभानु सिंह (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
9. कामायनी की आलोचना-प्रक्रिया-डॉ.गिरिजा राय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==

अथवा

प्रश्नपत्र -4. B. छायावाद : आँसु , दीपशिखा : Core Course-04

पाठ्य पुस्तक: 1. आँसु - जयशंकर प्रसाद
2. दीपशिखा – महादेवी वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

ईकाइ-1. आँसु - जयशंकर प्रसाद :
कवि जयशंकर प्रसाद की काव्य यात्रा, छायावाद की एक प्रमुख रचना : 'आँसु',
'आँसु' का आलम्बन तथा काव्य-रूप , 'आँसु' एक वेदना – काव्य,
'आँसु' में प्रकृति – चित्रण,'आँसु' भावपक्ष तथा कला पक्ष |

ईकाइ-2. दीपशिखा - महादेवी वर्मा :
महादेवी की काव्य यात्रा , छायावादी काव्य और महादेवी वर्मा,
'दीपशिखा' एक श्रेष्ठ गीति काव्य के रूप में, 'दीपशिखा' भावपक्ष और कला पक्ष ,
आधुनिक गीतिकाव्य में 'दीपशिखा' का स्थान |

ईकाइ-3 .
छायावादी काव्यः शब्द,परिभाषाएँ एवम् विशेषताएँ।
छायावाद के प्रवर्तक , छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।

ईकाई-4.
प्रगतिवाद काव्यः शब्द,परिभाषाएँ एवम् विशेषताएँ, प्रगतिवाद के प्रतिनिधि कवि।

अंक विभाजनः
प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-
1. जयशंकर प्रसाद-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
4. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
==

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल Core Course-05

पाठ्य पुस्तक : 1. पृथ्वीराज रासोः पदमावती समय सं.माताप्रसाद गुप्त (लोकभारती प्रकाशन)
2. ढोला मारु रा दूहा –नरपति नाल्ह

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई-1. पृथ्वीराज रासोः पदमावती समय :
कवि चंद बरदाई-परिचय , 'पृथ्वीराज रासो' : आदिकालीन प्रमुख रचना,
पदमावती समय' का कथानक, 'पदमावती समय' में इतिहास और कल्पना,
'पद्मावती समय : भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

ईकाई-2. ढोला मारु रा दूहा –नरपति नाल्ह :
'ढोला मारू रा दूहा' : एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य , 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण,
'ढोला मारू रा दूहा' : सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा' : काव्य-सौष्ठव,
'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

ईकाई-3.
अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास,
अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ
अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध

ईकाई-4.
आदिकाव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक,श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य।
आदिकाव्य की शिल्पगत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,गेयता ,काव्यरूप एवम् भाषा।

अंक विभाजन-
प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)
प्र॰ 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
3. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
4. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
5. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
6. ब्रेक के बाद-सुधीश पचौरी
7. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
8. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
9. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
11. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
12. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

==

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी -- Revised

सेमेस्टर- II

(2017-2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 6. प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य : विनयपत्रिका – घनानंद : Core Course-06

पाठ्य पुस्तक :

1. विनयपत्रिका - संपा.वियोगी हरि
2. घनानंदः काव्य और आलोचना - संपा.डॉ.किशोरी लाल (१ से २५ कवित्त)
   (साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1. विनयपत्रिका :

'विनयपत्रिका': काव्य-स्वरूप, 'विनयपत्रिका': वस्तु-विधान,

'विनयपत्रिका' में अभिव्यक्त कवि की दास्य-भक्ति, 'विनयपत्रिका': भाव और कला-पक्ष।

ईकाई-2. घनानंद- काव्य और आलोचना :

'प्रेम की पीर' के कवि घनानंद, घनानंद की भक्ति-भावना, घनानंद के काव्य की विशेषताएँ।

ईकाई-3. भक्तिकालः सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास :

रामभक्ति-धाराः उद्भव और विकास, तुलसी का जीवन-वृत्त ।

ईकाई-4. रीतिकालीन काव्य-धाराएँ :

रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा में घनानंद का स्थान, घनानंदः जीवन-परिचय और रचनाएँ।

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. तुलसी-संपा. उदयभानु सिह
2. तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
3. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
5. तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
6. विनयपत्रिका और निराला के विनयगीत-डॉ.मधुप कुमार (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्य-धारा-डॉ.मनोहर गौड
8. घनानंद का काव्य-डॉ.रामदेव शुक्ल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. घनानंद का काव्य-शिल्प- डॉ.लखनपाल सिंह

==

प्रश्नपत्र -7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-07

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1.

प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत , लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा।

ईकाई-2.

ड्राइडन के काव्य – सिद्धांत, वड्र्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत ,
कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना।

ईकाई-3.

मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

ईकाई-4.

सिद्धांत और वाद-आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद,
मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।
आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद,
उत्तर आधुनिकतावाद- सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र-डॉ.नगेन्द्र
2. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी
3. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ.भगीरथ मिश्र
6. पाश्चात्य साहित्य-चितन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिह
8. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)
9. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
10. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

==

प्रश्नपत्र - 8 प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग – 2. Core Course-08

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाइ–1. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्र , इंटरनेट।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

इंटरनेट- सामग्री सृजन।

ईकाइ- 2. अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।

हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

ईकाई-3. मीडिया लेखन :

श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा का प्रकृति, समाचार-लेखन एवम् वाचन, रेडियो नाटक।

उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन-लेखन,फीचर तथा रिपोर्ताज।

दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवम् वीडियो),दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवम् श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पाश्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा-लेखन, टेली-ड्रामा-डॉक्यू ड्रामा, संवाद-लेखन, विज्ञापन की भाषा।

ईकाइ-4. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।

कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग। पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक विभाजन-

प्रश्न 1. पठित 1, 2 और 3 इकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
2. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
7. कंप्यूटर और हिंदी-डॉ.हरिमोहन
8. कंप्यूटर-डॉ.सी.एल.गर्ग
9. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
10. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
11. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
12. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
13. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
14. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
15. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
16. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
17. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
18. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन

प्रश्नपत्र - 9. A. आधुनिक हिंदी काव्य : कुरुक्षेत्र – कनुप्रिया : Course Course-09

पाठ्य पुस्तक: 1. कुरुक्षेत्र – रामधारीसिंह दिनकर
2. कनुप्रिया – धर्मवीर भारती

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाइ-1. कुरुक्षेत्र – रामधारीसिंह दिनकर:

रामधारीसिंह दिनकर व्यक्तित्व और कृतित्व, 'कुरुक्षेत्र' का काव्य- स्वरूप, 'कुरुक्षेत्र' के पात्र, 'कुरुक्षेत्र' के प्रेरणा श्रोत, 'कुरुक्षेत्र' में आधुनिकता, 'कुरुक्षेत्र' का भाव पक्ष और कलापक्ष |

ईकाइ-2. कनुप्रिया – धर्मवीर भारती :

धर्मवीर भारती का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'कनुप्रिया' का काव्य – स्वरूप, 'कनुप्रिया' में अधुनिक्ताबोध – अस्तित्ववादी एवं क्षणवादी जीवन दर्शन, 'कनुप्रिया' प्रबंध – कौशल, आधुनिक प्रबंध काव्यों में 'कनुप्रिया' का स्थान, 'कनुप्रिया' : कनु और राधा का चरित्र |

ईकाइ-3. हिंदी साहित्य में राष्ट्रिय कविता का महत्त्व, प्रवर्तक और विशेषताएँ |

ईकाई-4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रबंध – काव्य , हिंदी कृष्ण काव्य : उदभव और विकास |

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
6. धर्मवीर भारती युग चेतना और अभिव्यक्ति – डॉ. सरिता शुक्ल
7. धर्मवीर भारती अनुभव और अभिव्यक्ति – लक्ष्मण दत्त गौतम
8. युग चारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
9. दिनकर का काव्य –डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

अथवा

प्रश्नपत्र - 9 . B. छायावाद – रश्मिबंध , तुलसीदास : Course Course-09

पाठ्य पुस्तक :

1. रश्मिबंध- सुमित्रानंदन पंत
2. तुलसीदास - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाइ- 1. रश्मिबंध- सुमित्रानंदन पंत :

पंतः साहित्यिक परिचय, 'रश्मिबंध' में प्रकृति-चित्रण, छायावाद और 'रश्मिबंध' 'रश्मिबंध' में नारी-भावना, 'रश्मिबंध' एक गीतिकाव्य के रूप में, 'रश्मिबंध' का भाव और कला-पक्ष|

ईकाइ- 2. तुलसीदास - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

निराला-व्यक्तित्व और कृतित्व, 'तुलसीदास' का काव्य-स्वरूप, ''तुलसीदास' की पात्र-सृष्टि, 'तुलसीदास'में रस-योजना व प्रकृति-चित्रण, 'तुलसीदास' का कला-पक्ष।

ईकाइ- 3.

छायावाद : परिभाषा एवम् विशेषताएँ, छायावाद के उद्भव व पतन के कारण।

ईकाइ- 4.

छायावाद का ऐतिहासिक महत्व, हिंदी साहित्य में छायावाद का स्थान।

अंक विभाजनः

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. निराला का काव्यःविविध संदर्भ-डॉ.मीरा श्रीवास्तव (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
4. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

==

प्रश्नपत्र – 10. दृश्य-श्राव्य माध्यम लेखन Core Course -10

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाइ-1.

माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

ईकाइ-2.

टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप,
टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य,
साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण-कला।

ईकाइ-3.

रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अतर।
रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रुपांतर, रेडियो फैन्टेसी,
संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

ईकाइ-4.

इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।
संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि,
संचार माध्यमों की भाषा।

अंक विभाजन-

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
3. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
4.मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
5.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
6. ब्रेक के बाद-सुधीश पचौरी
7. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
8. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
9. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
11. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
12. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

==